बी० एस–सी० (कृषि) ऑनर्स उपाधि

हेतु

ग्रामीण जागरूकता कार्य अनुभव

Rural Awareness Work Experience

(RAWE)

के अन्तर्गत

चयनित कृषक की कृषि क्रियाओं पर आधारित रिपोर्ट

शैक्षिक वर्ष : 2018–2019

द्वारा

सूरज पाल

अनुक्रमांक – 0101350

मार्गदर्शक

डा० पी०के० राजपूत

अध्यक्ष – मृदा संरक्षण एवं जल प्रबन्ध

जनता कालेज बकेवर, इटावा (उ० प्र०)

(राष्ट्रीय प्रत्यायन एंव मूल्यांकन परिषद द्वारा **B** ग्रेड प्राप्त)

(सम्बद्ध–छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर)

Prepared By : Krishna Computer Education Centre, Bakewar, Etawah

Scanned with OKEN Scanner

विषय सूची

क. सं.	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	प्राचार्य का प्रमाण पत्र	1
2.	समन्वयक का प्रमाणपत्र	2
3.	प्रस्तावना	3
4.	रावे कार्यक्रम की रूपरेखा	4
5.	इटावा जनपद की भौगोलिक स्थिति एवं संक्षिप्त जानकारी	5-10
6.	महेवा ब्लाक की भौगोलिक स्थिति एवं संक्षिप्त जानकारी	11-12
7.	आवंटित ग्राम का ऐतिहासिक विवरण	13
8.	आवंटित ग्राम की गतिशीलता का मानचित्रण	14
9.	आवंटित ग्राम की स्थिति	15-17
10.	फसल उत्पादन प्रारूप	18
11.	कृषक के सम्बन्ध में जानकारी	19
12.	कृषक की भूमि एवं सम्पत्ति का विवरण	20
13.	छात्र द्वारा अध्ययनरत विभागों का विवरण	
	(अ) सस्य विज्ञान विभाग	21-25
	(ब) उद्यान विभाग	26-27
	(स) पशु पालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग	28-29
	(द) पादप रोग विज्ञान विभाग	30-31
	(य) कृषि वनस्पति विज्ञान विभाग	32
	(र) कृषि रसायन एवं मृदा विज्ञान विभाग	33-34
	(ल) कृषि अभियन्त्रण विभाग	35-37
	(व) मृदा एवं जल संरक्षण विभाग	38-39
	(स) कृषि प्रसार विभाग	40-42
	(ष) कीट विज्ञान विभाग	43-45
	(ह) कृषि अर्थशास्त्र विभाग	46-53
14.	कृषक की आय बढाने हेतु छात्र द्वारा दिये गये सुझाव	54

Scanned with OKEN Scanner

☎ 05680-223558

जनता कालेज, बकेवर (इटावा) 206124
Janta College, Bakewar (Etawah)
(Affiliated to C.S.J.M. University, Kanpur)
(B Grade by NAAC)

प्राचार्य का प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **श्री सूरज पाल** पुत्र श्री धर्म सिंह जो कि बी0एस–सी0 (कृषि) अष्ठम सेमेस्टर, जनता कालेज, बकेवर, इटावा के छात्र है। इन्होंने 6 माह तक ग्राम बल्लमपुर में कृषि प्रक्षेत्र पर जाकर विभिन्न कृषि सम्बन्धी क्रियाओं का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया।

इस दौरान फसलोत्पादन में आने वाली विभिन्न समस्याओं का अध्ययन कर उनके समाधान भी सुझायें। इस अवधि में इन्होनें ग्रामीण परिवेश में किसान के साथ रहकर अपने तकनीकी ज्ञान से कृषि के सूरज पाल में सराहनीय योगदान किया है।

मैं, इनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

दिनांक : 13-05-19

प्राचार्य

(डा0 एम0 पी0 यादव)

Suraj Pal

Scanned with OKEN Scanner

रावे कार्यक्रम की रूपरेखा

कृषि संकाय में सेमेस्टर प्रणाली की शुरूआत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की संस्तुति पर हुआ था। इस प्रणाली में कृषि स्नातक के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम अवधि को क्रमशः आठ सेमेस्टरों में बांटा गया है। स्नातक (कृषि) के अन्तिम वर्ष अर्थात अष्ठम् सेमेस्टर में शिक्षण कार्य के साथ–साथ रावे कार्यक्रम चलाया जाता है। RAWE शब्द का विस्तार Rural Awareness Work Experience (ग्रामीण जागरूकता कार्य अनुभव) से है। कार्यक्रम में छात्रों को चयनित ग्राम के सानिध्य में छः माह तक रखा जाता है। जहॉ पर एक छात्र कृषक द्वारा अपनायी जाने वाली कृषि क्रियाओं का व्यवहारिक ज्ञान का अनुभव प्राप्त करता है तथा विश्वविद्यालय, अनुसंधान संस्थानों में विकसित विभिन्न तकनीकों का प्रचार–प्रसार करता है। साथ ही साथ तकनीकी प्रयोग एवं कृषि कार्य में आने वाली समस्याओं का अपने शिक्षकों के सहयोग से निराकरण करता है। छात्रों का आवंटन, गॉवो व कृषकों का चयन रावे के संयोजक मण्डल द्वारा किया जाता है। व्यवस्था के अनुसार चुने गये गॉव में 10 छात्रों के साथ 10 कृषकों का चयन किया जाता है। इस प्रकार प्रति छात्र एक कृषक के साथ जुड कर कार्य करता है।

रावे के अन्तर्गत छात्रों के लिये शैक्षणिक भ्रमण का कार्यक्रम भी होता है। शैक्षणिक भ्रमण में छात्रों को विभिन्न प्रान्तों में स्थित कृषि विश्वविद्यालय, शोध संस्थानों एवं वहॉ पर आयोजित कृषि मेलों के भ्रमण के साथ–2 ऐतिहासिक महत्व के स्थानों का भ्रमण भी कराया जाता है। भ्रमण के दौरान इन केन्द्रों में विकसित तकनीकों का यह छात्र शोध फार्मो, प्रदर्शन फार्मो, कृषि संगोष्ठियों के माध्यम से कृषि का नवीनतम ज्ञान का अर्जन करते है।

ग्रामीण जागरूकता कार्य अनुभव (रावे) के मुख्य उद्देश्य :-

रावे के निम्न लिखित उद्देश्य है :–

1. ग्रामीण स्तर पर कृषि करने वालें व्यक्तियों को कृषि कालेज या कृषि विश्वविद्यालय से जोडा जा सकें।
2. कृषि स्नातको द्वारा वर्तमान कृषि की स्थिति तथा सम्बन्धित समस्याओ का प्रयोगात्मक ज्ञान अर्जित किया जा सके।
3. छात्रो द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले कृषको को उन्नत कृषि तकनीकी का प्रसारण तथा अनुसरण में आने वाली वाधाओ का निराकरण करना।
4. ग्रामीण क्षेत्रों में नई प्रजातियों व कृषि तकनीकों का प्रसार किया जा सके।
5. कृषि स्नातकों में कृषि तकनीकों का प्रसार व उनके प्रदर्शन आदि में निपुणता विकसित की जा सकें।
6. इससे छात्रों को ग्रामीण जीवन में एवं कृषक के सामने आने वाली विविध समस्याओं का ज्ञान होता है जिससे भविष्य में आने वाली समस्याओं का निराकरण करने में सुविधा रहती है।
7. ऐसे कृषि स्नातक भविष्य में जब अच्छे पद पर पहुँचेंगे तो कृषि एंव कृषको के सूरज पाल के लिए अच्छे प्रसार कार्यकर्ता, अच्छे परामर्श दाता, अच्छे शोधकर्ता एवं अच्छे पदाधिकारी साबित हो सकेंगे। इस प्रकार उनका देश के विकास में विशेष योगदान रहेगा।
8. शैक्षिक भ्रमण द्वारा विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों, शोध तकनीकों, शोध प्रक्षेत्रों तथा कृषि मेलों द्वारा नवीनतम तकनीकी से अवगत होनां।

Scanned with OKEN Scanner

ग्राम बल्लमपुरा का विकास क्रम (इतिहास)

चयनित ग्राम में सर्वप्रथम किये गये कार्यो का विकास क्रम निम्नवत् है –

क्र.सं.	वर्ष	विवरण
1.	1857	गॉव का नाम बल्लम सिंह के नाम से बल्लमपुरा पडा।
2.	1859	समस्त ग्रामवासियों द्वारा शिव मन्दिर का निर्माण करवाया।
3.	1862	श्री राधेश्याम तिवारी ने डीजल इंजन खरीदा।
4.	1865	श्री अहिवरन सिंह यादव ने कुँआ खुदवाया।
5.	1905	श्री बेटा लाल तिवारी ने ट्रैक्टर खरीदा।
6.	1950	श्री सरनाम सिंह यादव ने स्नातक की डिग्री प्राप्त की।
7.	1951	श्री मेवालाल यादव ग्राम प्रधान बने।
8.	1960	श्री बिजय सिंह ने लाइसेन्स लिया।
9.	1980	गॉव में प्राथमिक विद्यालय का निर्माण हुआ।
10.	1985	गॉव में पंचायत भवन का निर्माण हुआ।
11.	1990	श्री रामकुमार तिवारी ने मोटर साईकिल खरीदी।
12.	1995	श्री राधेश्याम तिवारी ने टेलीवीजन खरीदा।
13.	1998	श्री धर्मनारायण शुक्ला ने सरकारी नौकरी पायी।
14.	2003	गॉव में विद्युतीकरण हुआ।
15.	2006	गॉव में सी0सी0 रोड का निर्माण हुआ।
16.	2008	श्री अहिवरन सिह यादव ने चार पहिया वाहन खरीदा।

Scanned with OKEN Scanner

आवंटित गॉव की स्थिति :-

बल्लमपुरा इटावा मुख्यालय से 23 किमी0 पूर्व की ओर नेशनल हाइवे मार्ग–2 पर दक्षिण दिशा में हाइवे से 1 किलो मीटर की दूरी पर स्थित है। गॉव में 2000 जनसंख्या रह रही है।

1. ग्राम – बल्लमपुरा
2. विकास खण्ड – महेवा
3. तहसील – भर्थना
4. थाना – बकेवर
5. जनता कालेज बकेवर से दूरी 3 किमी0

भूमि :–

यहॉ पर अधिकतर मृदा जलोढ तथा दोमट से हल्की दोमट भूमि भी है। तथा मृदा का पी0 एच0 6–8 के बीच रहता है। मृदा में जिंक, कॉपर, मैग्नीशियम, मोलिब्डेनम आदि की कमी पाई जाती है।

वर्षा :–

यहॉ पर जून के अन्तिम सप्ताह में मानसून आ जाता है और सितम्बर तक पानी बरसता है। औसतन वार्षिक वर्षा 640 मिमी0 के मध्य होती है।

जल निकास के साधन :–

गॉव में जल निकास की उचित व्यवस्था है।

सड़के:–

ग्राम बल्लमपुरा राष्ट्रीय मार्ग–2 से जुडा है। जिससे यातायात की सुविधा सुलभ है। गॉव में यातायात के साधनों में ट्रेक्टर टाटासूमों, मार्शल, स्कूटर, मोटर साईकिल आदि गॉव में सी0सी0 रोड बना हुआ है।

सिंचाई के साधन :–

गॉव में सिंचाई की उचित व्यवस्था है। इसमें निजी ट्यूबबैल 6 है। सिंचाई में नलकूपों का अधिक उपयोग किया जाता है। गॉव में 02 तालाब है। जिसमें वर्षा का पानी एकत्रित होता है। जिससे आवश्यकता पड़ने पर सिंचाई की जाती है।

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा की व्यवस्था :–

गॉव में शिक्षा की उचित व्यवस्था है। गॉव में एक प्राइमरी तथा एक उच्च प्राथमिक स्कूल है। जिसमें 84 छात्र–छात्रायें अध्ययन करते है।

पेयजल के साधन :–

गॉव में पेयजल की उचित व्यवस्था है। जिसमें 7 कुॅये 22 हैण्ड पम्प तथा अपने–अपने घरों में निजी हैण्ड पम्प है।

पशुपालन :–

गॉव में लोग कृषि के साथ–साथ पशुपालन भी करते है तथा आय का अच्छा श्रोत मानते है। वर्तमान में गॉव में प्रत्येक परिवार में लगभग 2 जानवर है।

गॉव में कृषि यन्त्र :–

गॉव में पर्याप्त मात्रा में यान्त्रिक कृषि यन्त्रों का प्रयोग किया जाता है। बल्लमपुरा ग्राम पंचायत में ट्रेक्टर 12, कल्टीवेटर 7, थ्रेसर 6, ओसाई पंखा 4, डीजल इंजन 4, हैरो 4, सीडड्रिल 2, चारा काटने की मशीन 45, स्प्रेयर 12, डस्टर 4, आलू बोने की मशीन 3 तथा खुरपी, हंसिया तथा दरांती आदि पर्याप्त मात्रा में सभी के पास है।

मनोरंजन के साधन :–

गॉव में टेलीविजन 90, रेडियो 45, गॉव में समाचार पत्र– दैनिक जागरण, अमर उजाला भी आते है।

Scanned with OKEN Scanner

चिकित्सा व्यवस्था :–

गॉव में चिकित्सा की उचित व्यवस्था नही है गम्भीर बीमारी होने पर गॉव के लोग महेवा, बकेवर या इटावा जाते है।

१. गॉव की जनसंख्या :-

क.सं.	जनसंख्या का विवरण	कुल	पुरूष	स्त्री
1.	सम्पूर्ण जनसंख्या	2000	1150	850
2.	शिक्षित जनसंख्या	1850	1000	850
3.	अशिक्षित जनसंख्या	150	30	120
4.	कृषकों की जनसंख्या	700	650	50
5.	कृषि मजदूर	600	550	50
6.	सामान्य जाति	800	450	350
7.	परिगणित जाति	700	350	350
8.	अनुसूचित जाति	500	350	150

२. गॉव की भूमि उपयोग का विवरण :-

क0 सं0	गॉव की भूमि का उपयोग विवरण	क्षेत्रफल (बीघा.)
1.	गॉव का सँम्पूर्ण भौगोलिक क्षेत्रफल	200
2.	वन	2
3.	कृषि के अन्तर्गत क्षेत्रफल	144
4.	वंजर एवं कृषि के अनुपयुक्त भूमि	16
5.	कृषि के अतिरिक्त उपयोग में लाया गया क्षे0	12
6.	कृषि योग्य वेकार भमि (तालाब)	6
7.	सम्पूर्ण परती भूमि	20
8.	शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल	128
9.	एक बार से अधिक बोया गया क्षे0	6
10.	सम्पूर्ण कृषि क्षेत्रफल	334
11.	सिंचित क्षेत्रफल	144
12.	असिंचित क्षेत्रफल	2

Scanned with OKEN Scanner

कृषक के सम्बन्ध में जानकारी :-

कृषक का नाम	: श्री रामवीर तिवारी
पिता का नाम	: श्री राम बाबू तिवारी
जाति	: ब्राहम्ण
ग्राम	: बल्लमपुर
सूरज पाल खण्ड	: महेवा,
तहसील	: भर्थना
जनपद	इटावा (उत्तर प्रदेश)

१. कृषक के परिवार का ब्यौरा :-

क्र. सं.	सदस्य का नाम	पु0 या स्त्री	उम्र	मुखिया से सम्बन्ध	विवाहित या अविवाहित	शिक्षा	कमाने वाले या आश्रित	व्यवसाय
1.	श्री रामवीर तिवारी	पु0	36	स्वंय	विवाहित	स्नातक	कमाने वाले	कृषि
2.	श्रीमती निर्मला	स्त्री	34	पत्नी	विवाहित	स्नातक	आश्रित	गृहणी
3.	राजीव	पु0	12	पुत्र	अविवाहित	कक्षा 7	आश्रित	
4.	रिंकी	स्त्री	8	पुत्री	अविवाहित	कक्षा 5	आश्रित	

२. कृषक की भूमि का विवरण :-

सम्पूर्ण मद	क्षेत्रफल (बीघे में)
1. सम्पूर्ण भूमि का क्षेत्रफल	12.5
2. शुद्ध बोया गया क्षे0	12.5
3. एक बार से अधिक बोया गया क्षे0	12.5
4. कुल फसली क्षे0	12.5
5. बाग के अन्तर्गत भूमि	—
6. वर्तमान परती	—
7. स्थाई परती	—

Scanned with OKEN Scanner

बी० एस–सी० (कृषि) ऑनर्स उपाधि

हेतु

ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव

Rural Agricultural Work Experience

(RAWE)

के अन्तर्गत

चयनित कृषक की कृषि क्रियाओं पर आधारित रिपोर्ट

शैक्षिक वर्ष : 2019–2020

प्रस्तुत

शिवम कुमार

अनुक्रमांक – 0101342

मार्गदर्शक

डा० पी०के० राजपूत

अध्यक्ष – मृदा संरक्षण एवं जल प्रबन्ध

जनता कालेज बकेवर, इटावा (उ० प्र०)

(राष्ट्रीय प्रत्यायन एंव मूल्यांकन परिषद द्वारा **B** ग्रेड प्राप्त)

(सम्बद्ध–छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर)

Scanned with OKEN Scanner

☎ 05680-223558

जनता कालेज, बकेवर (इटावा) 206124
Janta College, Bakewar (Etawah)
(Affiliated to C.S.J.M. University, Kanpur)
(B++ Grade by NAAC)

प्राचार्य का प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **श्री शिवम कुमार** पुत्र श्री **सुनील कुमार** जो कि बी0एस–सी0 (कृषि) अष्ठम सेमेस्टर, जनता कालेज, बकेवर, इटावा के छात्र है। इन्होंने शैक्षिक सत्र 2019–2020 में 6 माह तक ग्राम **बल्लमपुरा** में कृषि प्रक्षेत्र पर जाकर विभिन्न कृषि सम्बन्धी क्रियाओं का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया।

इस दौरान फसलोत्पादन में आने वाली विभिन्न समस्याओं का अध्ययन कर उनके समाधान भी सुझायें। इस अवधि में इन्होनें ग्रामीण परिवेश में किसान के साथ रहकर अपने तकनीकी ज्ञान से कृषि के विकास में सराहनीय योगदान किया है।

मैं, इनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

दिनांक :

N. Shukla

प्राचार्य

(डा0 नलिनी शुक्ला)

Scanned with OKEN Scanner

इटावा जनपद की भौगोलिक स्थिति एंव संक्षिप्त जानकारी

जनपद इटावा उत्तर प्रदेश के पश्चिमी–दक्षिणी सीमा पर स्थित है, जिसके उत्तर में मैनपुरी, फर्रूखावाद, कन्नौज तथा पश्चिम में आगरा व फिरोजाबाद, पूर्व में औरैया तथा दक्षिण में जालौन व मध्य प्रदेश का भिण्ड जिला स्थित है। इटावा की समुद्र तल से ऊँचाई 146.3–149.7 मी. है एंव 26.77°N and 27.02°E अक्षांश के देशान्तर पर स्थित है। जनपद इटावा समशीतोष्ण क्षेत्र में आता है जिसका अधिकतम औसत तापमान 48°C तथा न्यूनतम तापमान 2–3°C के मध्य रहता है। जनपद की औसत वार्षिक वर्षा 655 मि.मी. है। राजस्व विभाग के अनुसार जनपद का भौगोलिक क्षेत्रफल 4612 वर्ग किमी0 है। जनपद में 5 अनवरत वहने वाली नदियॉ – यमुना, चम्बल, क्वारी, सेंगर, तथा अरिन्द एंव चार मौसमी नदियॉ – पुराहा, सिरसा, अहनैया और पाण्डव है। राजस्व अभिलेखों के अनुसार जिले का क्षेत्रफल 4367.27 हैक्टेयर है। विश्व का एक मात्र स्थान पंचनद (यमुना, चम्बल, क्वारी, सिंध व वेतवा – पॉच नदियों का संगम) इटावा जनपद के पूर्वी–दक्षिणी सीमा पर इटावा जनपद में स्थित है। जनपद इटावा का कुल क्षेत्रफल 4367.27 हैक्टेयर है। जनपद में 2013.14 में प्रतिवेदित क्षेत्रफल जिसमें 2709.05 हैक्टेयर भूमि में खेती की जाती है। जिसमें 2238.5 हैक्टेयर भूमि असिंचित है। जो कि खेती योग्य क्षेत्रफल का 77 प्रतिशत है। रवी फसलों का क्षेत्रफल 2418.85 हैक्टेयर है जो कि शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल का 83 प्रतिशत है। जनपद की मुख्य फसलें – गेहूँ, बाजरा, धान, आलू, सरसों, अरहर एवं चना आदि है।

जनपद इटावा का मानचित्र

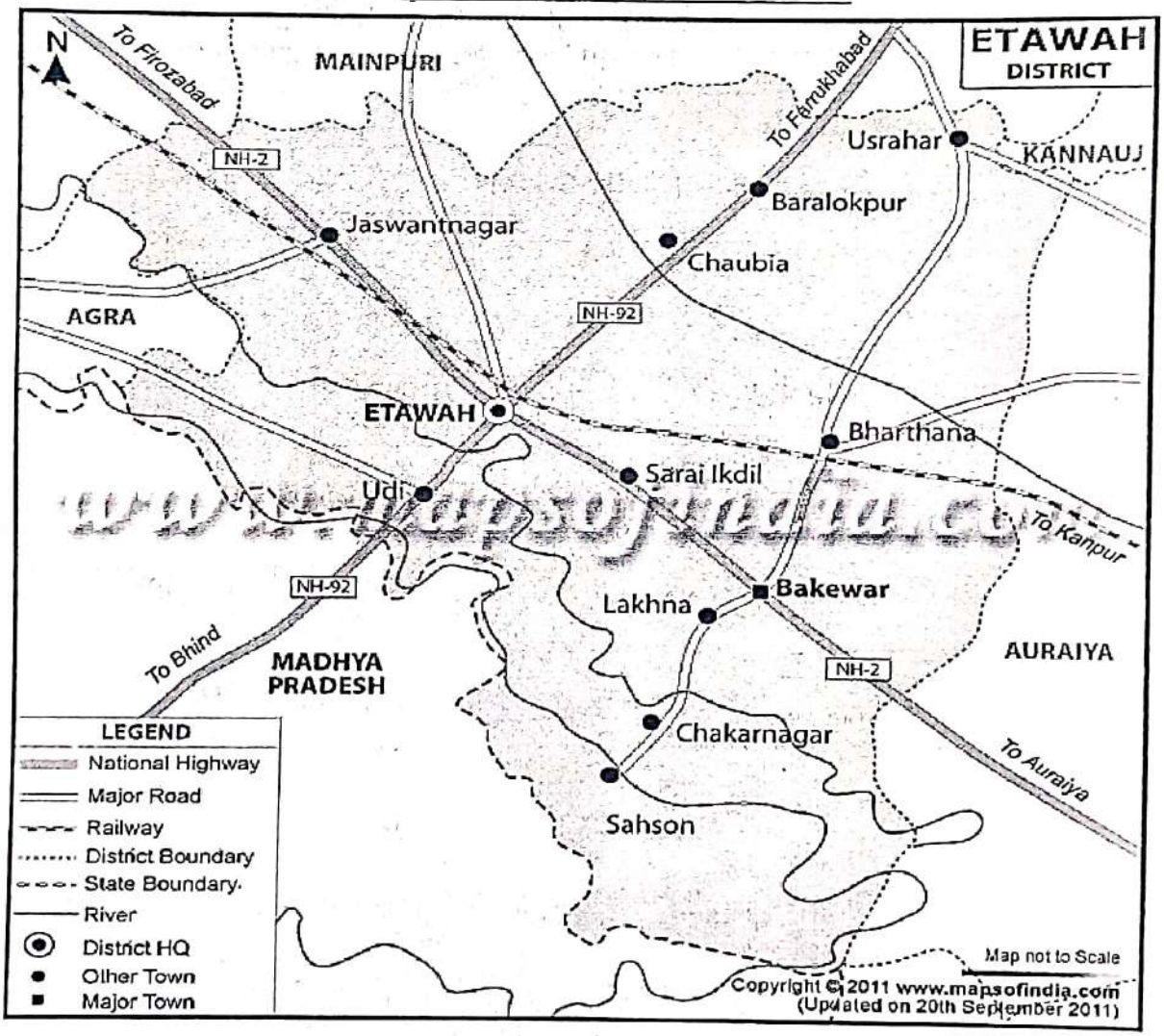

Scanned with OKEN Scanner

कृषक के सम्बन्ध में जानकारी :-

कृषक का नाम	: श्री देवेन्द्र सिंह यादव
पिता का नाम	: श्री राम स्वरूप यादव
जाति	: अहीर
ग्राम	: बल्लमपुर
शिवम कुमार खण्ड	: महेवा
तहसील	: भर्थना
जनपद	इटावा (उत्तर प्रदेश)

१. कृषक के परिवार का ब्यौरा :-

क. सं.	सदस्य का नाम	पु0 या स्त्री	उम्र	मुखिया से सम्बन्ध	विवाहित या अविवाहित	शिक्षा	कमाने वाले या आश्रित	व्यवसाय
1.	श्री देवेन्द्र सिंह यादव	पु0	40	स्वंय	विवाहित	स्नातक	कमाने वाले	कृषि
2.	श्रीमती ओमवती	स्त्री	38	पत्नी	विवाहित	कक्षा 5	आश्रित	गृहणी
3.	शोभित	पु0	17	पुत्र	अविवाहित	कक्षा 11	आश्रित	
4.	अनुराधा	स्त्री	14	पुत्री	अविवाहित	कक्षा 8	आश्रित	

२. कृषक की भूमि का विवरण :-

सम्पूर्ण मद	क्षेत्रफल (बीघे में)
1. सम्पूर्ण भूमि का क्षेत्रफल	12.5
2. शुद्ध बोया गया क्षे0	12.5
3. एक बार से अधिक बोया गया क्षे0	12.5
4. कुल फसली क्षे0	12.5
5. बाग के अन्तर्गत भूमि	—
6. वर्तमान परती	—
7. स्थाई परती	—

Scanned with OKEN Scanner

३. कृषक की सम्पत्ति का विवरण :-

विवरण	संख्या	अनुमानित कीमत
1. भूमि (बीघे में)	12.5	6250000
2. इमारत रहने के लिये	1	500000
3. इमारत पशुओं के लिये	1	40000
4. गाय	1	40000
5. बछिया	1	10000
6. चारा काटने की मशीन	1	6000
7. फावडा	2	400
8. दरांती	2.	100
9. खुरपी	4	200
10. हसिंया	2	100
11. टेलीविजन	1	10000
12. मोबाइल	3	15000
13. साईकिल	1	4000
14 मोटर साइकिल	1	65000

Scanned with OKEN Scanner

बी० एस–सी० (कृषि) ऑनर्स उपाधि

हेतु

ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव

Rural Agricultural Work Experience

(RAWE)

के अन्तर्गत

चयनित कृषक की कृषि क्रियाओं पर आधारित रिपोर्ट

शैक्षिक वर्ष : 2022–2023

द्वारा

संदीप कुमार

अनुक्रमांक – 0600749

मार्गदर्शक

डा० पी०के० राजपूत

अध्यक्ष – मृदा संरक्षण एवं जल प्रबन्ध

जनता कालेज बकेवर, इटावा (उ० प्र०)

(राष्ट्रीय प्रत्यायन एंव मूल्यांकन परिषद द्वारा **B** ग्रेड प्राप्त)

(सम्बद्ध–छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर)

Scanned with OKEN Scanner

विषय सूची

क. सं.	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	प्रमाण पत्र	1
2.	प्रमाणपत्र	2
3.	प्रस्तावना	3
4.	रावे कार्यक्रम की रूपरेखा	4
5.	विकास खण्ड महेवा का संक्षिप्त परिचय	5
6.	आवंटित ग्राम का विकास क्रम	6
7.	आवंटित ग्राम की स्थिति	7-8
8.	आवंटित ग्राम की गतिशीलता का मानचित्रण	9
9.	आवंटित ग्राम का मानचित्र	10
10.	फसल उत्पादन प्रारूप	11-12
11.	कृषक के सम्बन्ध में जानकारी	13
12.	कृषक की भूमि एवं सम्पत्ति का विवरण	14
13.	एग्रीक्लीनिक/प्लान्ट क्लीनिक की स्थापना के लिए वित्तपोषण योजना	15
14.	Completive study of Plant Clinic	16-18
15-	कम्पनी का संक्षिप्त विवरण	19
16.	21 दिवसीय वमसा एग्रो इण्डस्ट्रीज प्रशिक्षण का विवरण	20-24

Scanned with OKEN Scanner

☎05680-223558

जनता कालेज, बकेवर (इटावा) 206124
Janta College, Bakewar (Etawah)
(Affiliated to C.S.J.M. University, Kanpur)
(B Grade by NAAC)

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **श्री सन्दीप कुमार** पुत्र श्री **द्वारिका प्रसाद** जो कि बी0एस–सी0 (कृषि) सप्तम–अष्ठम सेमेस्टर, जनता कालेज, बकेवर, इटावा के छात्र है। इन्होंने 6 माह तक ग्राम **गौतमपुरा** में कृषि प्रक्षेत्र पर जाकर विभिन्न कृषि सम्बन्धी क्रिया–कलापों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया।

इस दौरान फसलोत्पादन में आने वाली विभिन्न समस्याओं का अध्ययन कर उनके समाधान भी सुझायें। इस अवधि में इन्होनें ग्रामीण परिवेश में किसान के साथ रहकर अपने तकनीकी ज्ञान से कृषि के विकास में सराहनीय योगदान किया है।

मैं, इनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

दिनांक : 18/5/25

(डा0 राजेश किशोर त्रिपाठी)
प्राचार्य

Scanned with OKEN Scanner

Dr. P.K. Rajput
Head of Deptt. Soil Conservation
& Water Management
Co-ordinator RAWE
Janta College, Bakewar (Etawah)

Residence Address.
H.No. 05, Kanhaiya Nagar
Desharmau Road, Etawah
Mobile. – 9412573101
E-pkrajputdr786@gmail.com

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **सन्दीप कुमार** जो कि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानुपर से सम्बद्ध जनता कालेज बकेवर, इटावा (उ0 प्र0) में बी0 एस–सी0 (कृषि) सप्तम/अष्ठम सेमेस्टर के विद्यार्थी है। इन्होंने इस सेमेस्टर में ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) के अन्तर्गत ग्राम **गौतमपुरा** विकास खण्ड महेवा जनपद इटावा के कृषक **श्री नरेन्द्र प्रताप कुशवाहा** के सानिध्य में 6 माह तक रहकर कृषि उत्पादन से सम्बन्धित व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया।

श्री **सन्दीप कुमार** ने ग्रामीण परिवेश में रहकर कृषकों को कृषि सम्बन्धी नवीनतम तकनीकी के प्रसारण एवं अनुसरण में प्रसार कार्यकर्ता की भॉति कार्य किया। कृषि से जुडे विभिन्न कार्य जैसे फसलोत्पादन, पौध रक्षा, विपणन, भण्डारण आदि के समय आने वाली बाधाओं का अपने विषय विशेषज्ञों के सहयोग से उनका निस्तारण किया।

मैं, इनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

दिनांक :– 18.4.23

स्थान :– बकेवर

(डा0 प्रमोद कुमार राजपूत)
समन्वयक, रावे

Scanned with OKEN Scanner

प्रस्तावना

ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (RAWE) कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2023–2024 की कृषि क्रियाओं पर आधारित कृषक के सामाजिक एवं आर्थिक अध्ययन के लिये मुझे जनपद इटावा, विकास खण्ड महेवा के ग्राम **गौतमपुरा** के **श्री नरेन्द्र प्रताप कुशवाहा** पुत्र **श्री छोटे लाल** के साथ कृषि उत्पादन एवं विपणन कार्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

मैं, सर्वप्रथम **श्री नरेन्द्र प्रताप कुशवाहा** एवं उनके परिवार के सभी सदस्यों का आभारी हूँ जिन्होंने हमारे प्रशिक्षण कार्य में विशेष सहयोग किया व मुझे अपने परिवार का सदस्य मानकर हमारा साथ दिया। मैं, अपने ग्राम प्रधान **श्री हरियोगेन्द्र दोहरे** एंव ग्राम पंचायत सेक्रेटरी **श्रीमती अशोक सिंह परिहार** व लेखपाल **श्रीमती निधि चौहान** जी का बहुत आभारी हूँ। जिन्होंने मुझे रावे रिपोर्ट तैयार करने हेतु आवश्यक आंकड़े उपलब्ध कराने में विशेष सहायता की, मैं उनका सहृदय आभारी हूँ। मैं, अपने विकास खण्ड महेवा के खण्ड विकास अधिकारी **श्री निरन्जन त्रिवेदी** साथ–साथ डा0 सुरेश चन्द्र, क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान, बकेवर के आचार्य एंव उपनिदेशक एवं उनके अनेक अधीनस्थ अधिकारियों/कर्मचारियों का भी बहुत आभारी हूँ। जिनके सहयोग से ब्लाक एवं जनपद स्तर के सभी कृषि सम्बन्धी ऑकडे प्राप्त हो सके।

मैं, अपने कालेज के **कर्तव्यनिष्ठ व दूरदर्शी सेक्रेटरी अरविन्द कुमार मिश्र, प्राचार्य डा0 राजेश किशोर त्रिपाठी** का बहुत आभारी हूँ, जिन्होंने **"रावे"** कार्यक्रम संचालन में कृषि संकाय के प्राध्यापक महानुभावों को हमें निर्देशित करने के लिये प्रोत्साहित किया।

मैं **"रावे"** के संयोजक **डा0 पी0 के0 राजपूत**, मृदा एवं जल संरक्षण विभाग, एवं कृषि संकाय के डीन एवं उद्यान विभाग अध्यक्ष डा0 ए0 के0 पाण्डेय, डा0 दिव्य ज्योति मिश्र एंव डा0 एस0के0एस चन्देल कृषि रसायन विज्ञान; डा0 देव नरायन सिंह, कृषि कीट विज्ञान विभाग; डा0 महिपाल सिंह, प्रो0 ब्रह्मानन्द, सस्य विज्ञान विभाग; डा0 आदित्य कुमार, पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग; डा0 धर्मेन्द्र कुमार, कृषि वनस्पति विज्ञान विभाग, डा0 मनोज कुमार यादव, पादप रोग विज्ञान विभाग व डा0 अभिषेक प्रताप सिह, कृषि प्रसार विभाग, डा0 एम0पी0 यादव, डा0 संजीव कुमार चौधरी, डा0 संजय कुमार विश्वकर्मा, डा0 आनन्द कुमार सिंह, उद्यान विज्ञान विभाग का आभार व्यक्त करता हूँ। जिन्होने समय–समय पर अपने–अपने विषयों से सम्बन्धित जानकारी देकर कृषकों की समस्याओं के समाधान में अपना–अपना विशेष सहयोग प्रदान किया।

अन्त में इस प्रोजेक्ट को तैयार करने में उन सभी सहयोगियों को धन्यवाद देना चाहूँगा जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस कार्य में मेरा सहयोग किया।

स्थान : बकेवर

Sandeep Kumar

सन्दीप कुमार
पुत्र श्री द्वारिका प्रसाद
अनुक्रमांक :– 0600749
बी0एस–सी0 (कृषि) अष्ठम् सेमेस्टर
जनता कालेज, बकेवर (इटावा)

Scanned with OKEN Scanner

रावे कार्यक्रम की रूपरेखा

कृषि संकाय में सेमेस्टर प्रणाली की शुरूआत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की संस्तुति पर हुआ था। इस प्रणाली में कृषि स्नातक के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम अवधि को क्रमशः आठ सेमेस्टरों में बांटा गया है। स्नातक (कृषि) के अन्तिम वर्ष अर्थात अष्ठम् सेमेस्टर में शिक्षण कार्य के साथ–साथ रावे कार्यक्रम चलाया जाता है। RAWE शब्द का विस्तार Rural Agriculutural Work Experience (ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव) से है। कार्यक्रम में छात्रों को चयनित ग्राम के सानिध्य में छः माह तक रखा जाता है। जहॉ पर एक छात्र कृषक द्वारा अपनायी जाने वाली कृषि क्रियाओं का व्यवहारिक ज्ञान का अनुभव प्राप्त करता है तथा कृषि विश्वविद्यालय, अनुसंधान संस्थानों में विकसित विभिन्न तकनीकों का प्रचार–प्रसार करता है। साथ ही साथ तकनीकी प्रयोग एवं कृषि कार्य में आने वाली समस्याओं का अपने शिक्षकों के सहयोग से निराकरण करता है। छात्रों का आवंटन, गॉवो व कृषकों का चयन रावे के संयोजक मण्डल द्वारा किया जाता है। व्यवस्था के अनुसार चुने गये प्रत्येक गॉव में 10 छात्रों के साथ 10 कृषकों का चयन किया जाता है। इस प्रकार प्रति छात्र एक कृषक के साथ जुड कर कार्य करता है।

रावे के अन्तर्गत छात्रों के लिये शैक्षणिक भ्रमण का कार्यक्रम भी होता है। शैक्षणिक भ्रमण में छात्रों को विभिन्न प्रान्तों में स्थित कृषि विश्वविद्यालय, शोध संस्थानों एवं वहॉ पर आयोजित कृषि मेलों के भ्रमण के साथ–2 ऐतिहासिक महत्व के स्थानों का भ्रमण भी कराया जाता है। भ्रमण के दौरान इन केन्द्रों में विकसित तकनीकों का यह छात्र शोध प्रक्षेत्रों, प्रदर्शन फार्मो, कृषि संगोष्ठियों के माध्यम से कृषि का नवीनतम ज्ञान का अर्जन करते है।

ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) के मुख्य उद्देश्य :-कृषि

रावे के निम्न लिखित उद्देश्य है :–

1. ग्रामीण स्तर पर कृषि करने वालें व्यक्तियों को कृषि महाविद्यालय या कृषि विश्वविद्यालय से जोडा जा सकें।
2. कृषि स्नातको द्वारा वर्तमान कृषि की स्थिति तथा सम्बन्धित समस्याओ का प्रयोगात्मक ज्ञान अर्जित किया जा सके।
3. छात्रो द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले कृषको को उन्नत कृषि तकनीकी का प्रसारण तथा अनुसरण में आने वाली वाधाओ का निराकरण करना।
4. ग्रामीण क्षेत्रों में नई प्रजातियों व कृषि तकनीकों का प्रसार किया जा सके।
5. कृषि स्नातकों में कृषि तकनीकों का प्रसार व उनके प्रदर्शन आदि में निपुणता विकसित की जा सकें।
6. इससे छात्रों को ग्रामीण जीवन में एवं कृषक के सामने आने वाली विविध समस्याओं का ज्ञान होता है जिससे भविष्य में आने वाली समस्याओं का निराकरण करने में सुविधा रहती है।
7. ऐसे कृषि स्नातक भविष्य में जब अच्छे पद पर पहुॅचेंगे तो कृषि एंव कृषको के विकास के लिए अच्छे प्रसार कार्यकर्ता, अच्छे परामर्श दाता, अच्छे शोधकर्ता एवं अच्छे पदाधिकारी साबित हो सकेंगे। इस प्रकार उनका देश के विकास में विशेष योगदान रहेगा।
8. शैक्षिक भ्रमण द्वारा विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों, शोध तकनीकों, शोध प्रक्षेत्रों तथा कृषि मेलों द्वारा नवीनतम तकनीकी से अवगत होनां।

Scanned with OKEN Scanner

विकास खण्ड महेवा का संक्षिप्त परिचय

विकास खण्ड महेवा जनपद इटावा की पश्चिमी सीमा पर मुख्यालय से 20 किमी0 पश्चिम की ओर राष्ट्रीय राजमार्ग 2 पर स्थित है। विकास खण्ड के पूर्व में जनपद इटावा , उत्तर में भरथना, पश्चिम में इटावा तथा दक्षिण में मध्य प्रदेश की राज्य सीमा है। इटावा तहसील के ब्लाक महेवा में 83 ग्राम सभा है।

विकास खण्ड महेवा की भौगोलिक जानकारी :–

1.	कुल प्रतिवेदित क्षेत्रफल	–	27960 है0
2.	वन	–	2432
3.	कृषि योग्य बंजर भूमि	–	229
4.	वर्तमान परती	–	1760
5.	ऊसर एवं कृषि योग्य भूमि	–	930
6.	कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोगी भूमि	–	2231
7.	चारागाह	–	7
8.	उद्यानों बागों एवं झाडियॉ	–	29
9.	शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल	–	20342
10.	एक वार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल	–	12205
11.	सकल बोया गया क्षेत्रफल	–	34419
12.	गन्ने के लिये भूमि	–	39
13.	सकल सिंचित क्षेत्रफल	–	11279
14.	नहरों से सिंचाई	–	3752
15.	ट्यूबबैल	–	7240
	सहकारी	–	19010 है0
	निजी	–	5331
16.	अन्यकूप द्वारा	–	240
17.	पोखरों द्वारा	–	47

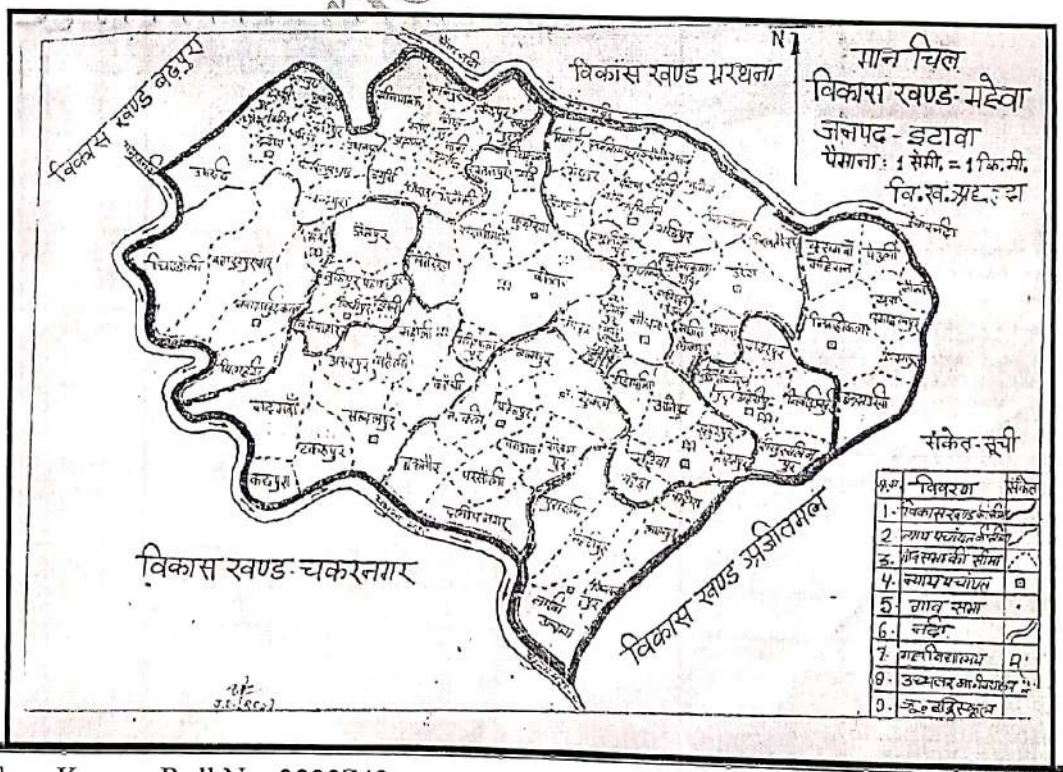

Sandeep Kumar

Scanned with OKEN Scanner

ग्राम व्यासपुर का विकास क्रम (इतिहास)

चयनित ग्राम में सर्वप्रथम किये गये कार्यो का विकास क्रम निम्नवत् है –

क्र.सं.	वर्ष	विवरण
1.	1915	ग्राम गौतमपुरा का अस्तित्व या उद्गमन हुआ।
2.	1920	कृष्णप्रताप सिंह ने शिव जी का मन्दिर का निर्माण करवाया।
3.	1921	शिव सिंह ने कुँए का निर्माण करवाया।
4.	1922	कृष्णप्रताप शुक्ला इण्टर कालेज में प्रधानाचार्य बने।
5.	1963	श्रीनारायण ने साइकिल खरीदी।
6.	1965	प्राथमिक विद्यालय की स्थापना हुई।
7.	1970	सिंचाई के साधन रेहट की स्थापना हुई।
8.	1980	राबहादुर चतुर्वेदी ने ईंट के भट्टे का निर्माण करवाया।
9.	1985	जयनारायण मिश्रा ने टैक्टर खरीदा।
10.	1986	श्री नरेन्द्र प्रसाद मिश्रा ने जीप खरीदी।
11.	1987	श्री अयोध्या प्रसाद पाल तीन बार प्रधान बने।
12.	1989	श्री जगदीश नारायण मिश्र ने ट्यूबबैल लगवाया।
13.	1990	श्री हृदय नारायण दुबे ने आर्मी मे नौकरी पायी।
14.	2002	जूनियर हाईस्कूल की स्थापना हुई।
15.	2001	अम्बेडकर पार्क का निर्माण हुई।
16.	2005	स्मार्ट अल्ट्रा सेन्ट्रल बैक की स्थापना हुई।
17	2016	श्री प्यूरेश कुमार दुबे प्रधान बने।
18.	2020	गॉव में ग्राम पंचायत भवन का निर्माण हुआ।
19	2021	श्री विजय सिंह त्रिपाठी ने चार पहिया वाहन खरीदा।
20	2023	श्री राजकुमार दुबे ने ट्रैक्टर खरीदा।

Sandeep Kumar

Scanned with OKEN Scanner

आवंटित गॉव की स्थिति :–

गौतमपुरा इटावा मुख्यालय से 20 किमी0 पूर्व की ओर नेशनल हाइवे मार्ग–2 पर दक्षिण दिशा में हाइवे से लगभग 5 किलो मीटर पर स्थित है। गॉव में लगभग 2000 जनसंख्या निवास कर रही है।

1. ग्राम – गौतमपुरा
2. विकास खण्ड – महेवा
3. तहसील – भरथना
4. थाना – बकेवर
5. जनता कालेज बकेवर से दूरी 8 किमी0

भूमि :–

यहॉ पर अधिकतर मृदा जलोढ तथा दोमट से हल्की दोमट भूमि भी है। तथा मृदा का पी0 एच0 6–8 के बीच रहता है। मृदा में जिंक, कॉपर, मैग्नीशियम, मोलिब्डेनम आदि की कमी पाई जाती है।

वर्षा :–

यहॉ पर जून के अन्तिम सप्ताह में मानसून आ जाता है और अन्तिम सितम्बर तक पानी बरसता है। औसतन वार्षिक वर्षा 640 मिमी0 के मध्य होती है।

जल निकास के साधन :–

गॉव में जल निकास की उचित व्यवस्था है।

सड़के:–

ग्राम गौतमपुरा, भरथना राष्ट्रीय मार्ग–2 से जुडा है। जिससे यातायात की सुविधा सुलभ है। गॉव में यातायात के साधनों में ट्रेक्टर टाटासूमों, मार्शल, स्कूटर, मोटर साईकिल आदि गॉव में सी0सी0 रोड बना हुआ है।

सिंचाई के साधन :–

गॉव में सिंचाई की उचित व्यवस्था है। इसमें निजी ट्यूबबैल 12 है। सिंचाई में नलकूपों का अधिक उपयोग किया जाता है। गॉव में 06 तालाब है। जिसमें वर्षा का पानी एकत्रित होता है। जिससे आवश्यकता पड़ने पर सिंचाई की जाती है।

शिक्षा की व्यवस्था :–

गॉव में शिक्षा की उचित व्यवस्था है। गॉव में एक प्राइमरी स्कूल व एक जूनियर विद्यालय है। जिसमें 600 छात्र–छात्रायें अध्ययन करते है।

पेयजल के साधन :–

गॉव में पेयजल की उचित व्यवस्था है। जिसमें 07 कुँये 15 हैण्ड पम्प तथा अपने–अपने घरों में निजी हैण्ड पम्प है।

पशुपालन :–

गॉव में लोग कृषि के साथ–साथ पशुपालन भी करते है तथा आय का अच्छा श्रोत मानते है। वर्तमान में गॉव में प्रत्येक परिवार में लगभग 2 दुधारू जानवर है।

गॉव में कृषि यन्त्र :–

गॉव में पर्याप्त मात्रा में यान्त्रिक कृषि यन्त्रों का प्रयोग किया जाता है। गौतमपुरा, भरथना ग्राम पंचायत में ट्रेक्टर 10, कल्टीवेटर 10, थ्रेसर 8, ओसाई पंखा 02, डीजल इंजन 15, हैरो 8, सीडड्रिल 4, चारा काटने की मशीन 90,, स्प्रेयर 15, डस्टर 10, आलू बोने की मशीन 03 तथा खुरपी, हंसिया तथा दरांती आदि पर्याप्त मात्रा में सभी के पास है।

Sandeep Kumar

Scanned with OKEN Scanner

मनोरंजन के साधन :–

गॉव में टेलीविजन 150, गॉव में समाचार पत्र– दैनिक जागरण, अमर उजाला भी आते है।

चिकित्सा व्यवस्था :–

गॉव में चिकित्सा की उचित व्यवस्था है। ग्राम में ही प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र है। गम्भीर बीमारी होने पर गॉव के लोग महेवा, बकेवर या इटावा जाते है।

गॉव में चल रही योजनायें :–

किसान क्रेडिट कार्ड, विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन, कृषि विविधीकरण योजना, स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना, इन्दिरा आवास योजना, बालिका समृद्धि योजना टेनिंग एण्ड विजिट, स्वजलधारा योजना, कृषक चर्चा मण्डल, मातृत्व लाभ योजना आदि योजनाये कार्यरत है।

1. गॉव की जनसंख्या :–

क.सं.	जनसंख्या का विवरण	कुल	पुरूष	स्त्री
1.	सम्पूर्ण जनसंख्या	2000	1100	900
2.	शिक्षित जनसंख्या	1500	900	600
3.	अशिक्षित जनसंख्या	500	150	350
4.	कृषकों की जनसंख्या	1800	1400	400
5.	कृषि मजदूर	400	300	100
6.	सामान्य जाति	700	500	200
7.	परिगणित जाति	900	600	300
8.	अनुसूचित जाति	400	250	150

2. गॉव की भूमि उपयोग का विवरण :–

क0 सं0	गॉव की भूमि का उपयोग विवरण	क्षेत्रफल (है0)
1.	गॉव का सम्पूर्ण भौगोलिक क्षेत्रफल	350
2.	वन	1
3.	कृषि के अन्तर्गत क्षेत्रफल	250
4.	बंजर एवं कृषि के अनुपयुक्त भूमि	3
5.	कृषि के अतिरिक्त उपयोग में लाया गया क्षे0	5
6.	कृषि योग्य बेकार भमि (तालाब)	6
7.	सम्पूर्ण परती भूमि	5
8.	शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल	200
9.	एक बार से अधिक बोया गया क्षे0	37
10.	सम्पूर्ण कृषि क्षेत्रफल	350
11.	सिंचित क्षेत्रफल	300
12.	असिंचित क्षेत्रफल	50

Sandeep Kumar

Scanned with OKEN Scanner

—: आवंटित ग्राम की गतिशीलता का मानचित्रण :—

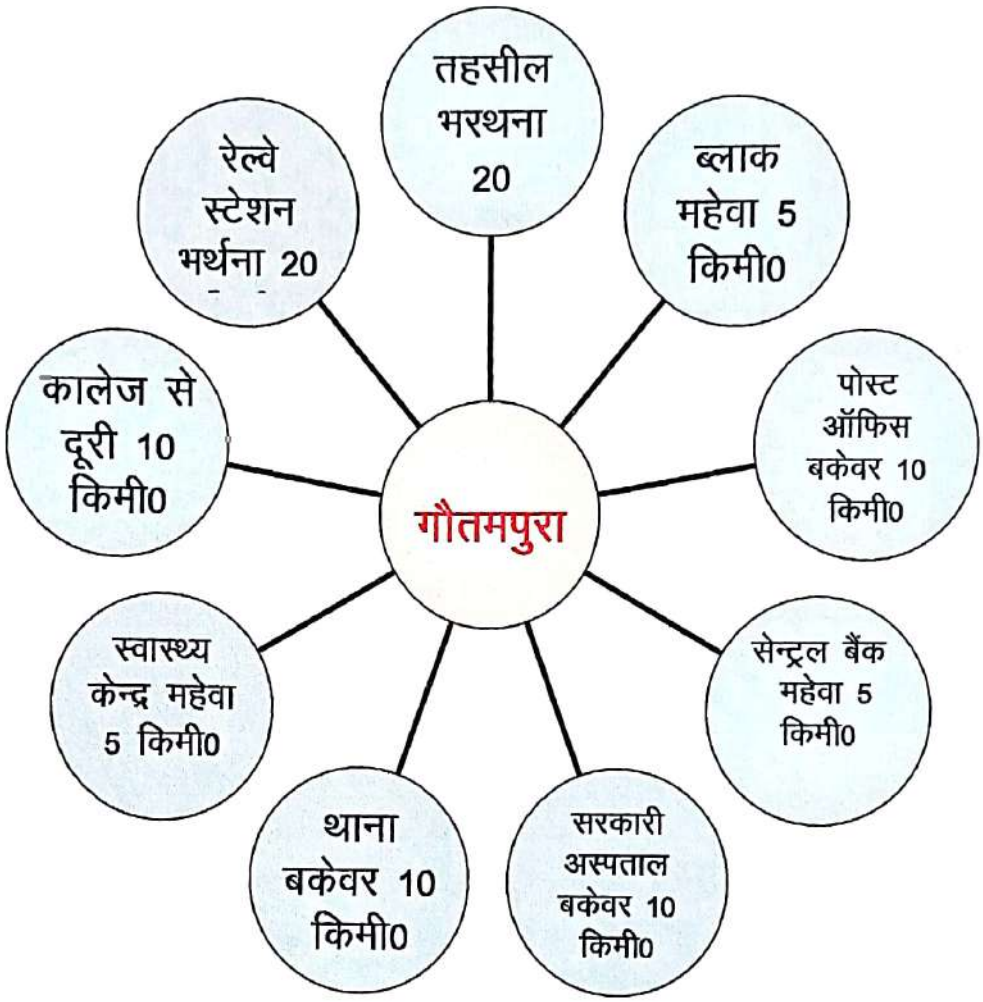

Scanned with OKEN Scanner

ग्राम गौतमपुरा, बकेवर इटावा का मानचित्र

Scanned with OKEN Scanner

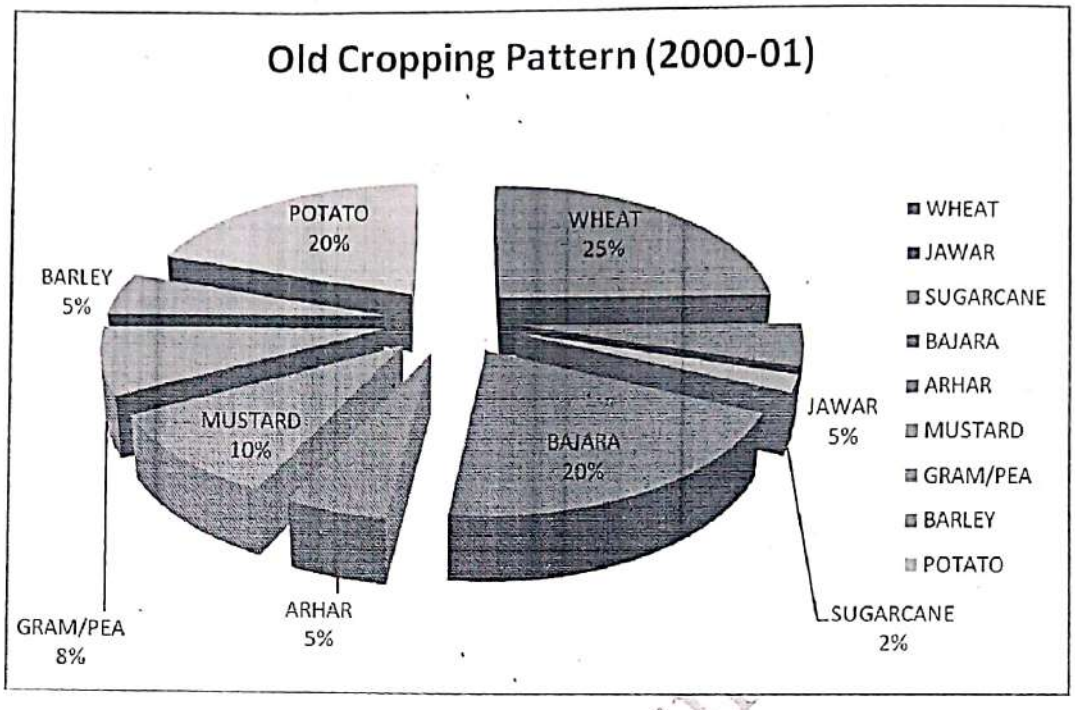

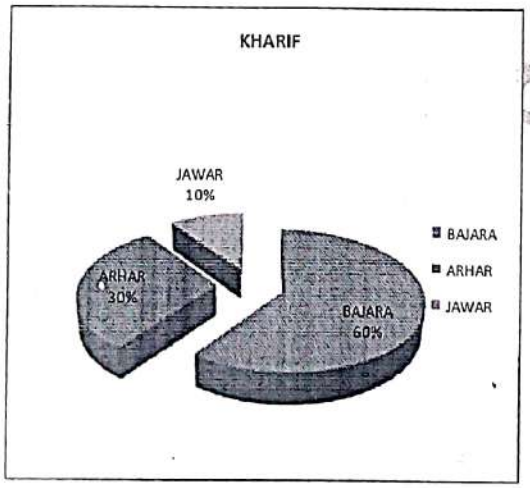

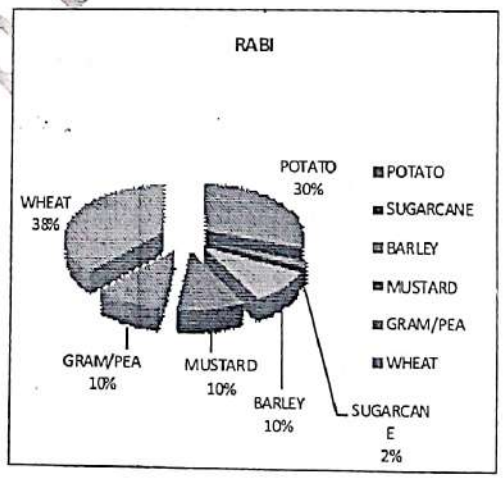

सन्दीप कुमार पुत्र श्री द्वारिका प्रसाद
बी0एस–सी0 (कृषि) अष्ठम् सेमेस्टर, अनुक्रमांक :–0600749
जनता कालेज, बकेवर (इटावा)

Scanned with OKEN Scanner

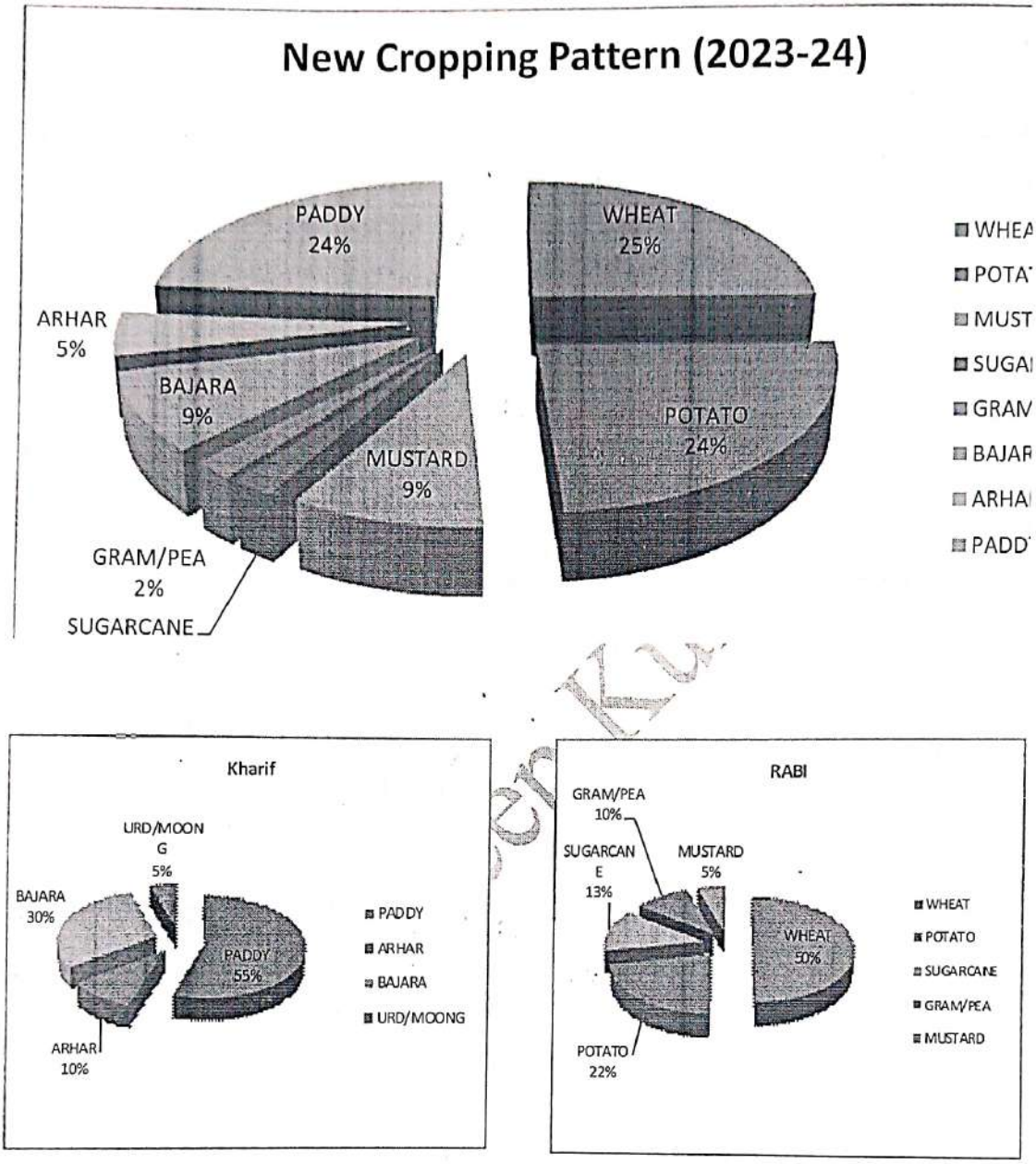

सन्दीप कुमार पुत्र श्री द्वारिका प्रसाद
बी0एस–सी0 (कृषि) अष्ठम् सेमेस्टर, अनुक्रमांक : 0600749
जनता कालेज, बकेवर (इटावा)

Scanned with OKEN Scanner

कृषक के सम्बन्ध में जानकारी :-

कृषक का नाम	: श्री नरेन्द्र प्रताप कुशवाहा
पिता का नाम	: श्री छोटेलाल
जाति	: पिछडी
ग्राम	: गौतमपुरा
विकास खण्ड	: महेवा
तहसील	: भरथना
जनपद	इटावा (उत्तर प्रदेश)

१. कृषक के परिवार का ब्यौरा :-

क. सं.	सदस्य का नाम	पु0 या स्त्री	उम्र	मुखिया से सम्बन्ध	विवाहित या अविवाहित	शिक्षा	कमाने वाले या आश्रित	व्यवसाय
1.	श्री नरेन्द्र प्रताप कुशवाहा	पु0	50	स्वंय	विवाहित	इण्टर	कमाने वाले	कृषि
2.	श्रीमती मंजू देवी	स्त्री	45	पत्नी	विवाहित	हाईस्कूल	आश्रित	गृहणी
3.	श्री मोनू कुशवाहा	पु0	20	पुत्र	अविवाहित	बी0ए0	आश्रित	
4.	कु0 शीला कुशवाहा	स्त्री	15	पुत्री	अविवाहित	हाईस्कूल	आश्रित	

२. कृषक की भूमि का विवरण :-

सम्पूर्ण मद	क्षेत्रफल (बीघे में)
1. सम्पूर्ण भूमि का क्षेत्रफल	12.5
2. शुद्ध बोया गया क्षे0	12.5
3. एक बार से अधिक बोया गया क्षे0	12.5
4. कुल फसली क्षे0	12.5
5. बाग के अन्तर्गत भूमि	—
6. वर्तमान परती	—
7. स्थाई परती	—

Sandeep Kumar

Scanned with OKEN Scanner

३. कृषक की सम्पत्ति का विवरण :-

विवरण	संख्या	अनुमानित कीमत
1. भूमि (बीघे में)	12.5	6250000
2. इमारत रहने के लिये	1	300000
3. इमारत पशुओं के लिये	2	50000
4. गाय	1	10000
5. बछिया	1	2000
6. चारा काटने की मशीन	1	6000
7. फावडा	2	500
8. दरांती	2	100
9. खुरपी	4	200
10. हसिंया	2	100
11. टेलीविजन	1	10000
12. मोबाइल	3	15000
13. साईकिल	1	4000
14 मोटर साइकिल	1	65000

Sandeep Kumar

Scanned with OKEN Scanner

एग्रीक्लीनिक/प्लान्ट क्लीनिक की स्थापना के लिए वित्तपोषण योजना

पादप स्वास्थ क्लीनिक (PHC) पादप स्वास्थ्य विशेषज्ञों को सभी प्रकार की पादप स्वास्थ्य समस्याओं के प्रबन्ध के बारे में किसानों को सलाह देने में प्रसार कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम करने तथा सक्षम बनाने का एक व्यावहारिक तरीका। पौध रोग उपचार केन्द्र की सहायता स्थानीय कृषकों की आमदानी में वृद्धि करना है। क्लीनिक में पौध रोगों की जॉच तथा उपचार (नियत्रंण) की सभी सुविधायें उपलब्ध है।

1. उद्देश्यः– एग्रीक्लीनिक किसानों को कृषि से सम्बन्धित सेवायें एवं सलाह और पशु स्वास्थ्य के लिए नैदान्तिक सेवायें उपलब्ध कराती है। एग्री क्लीनिक बिजनेश केन्द्र निवेश आपूर्ति (इनपुट सप्लाई) और किसानों को किराये पर कृषि औजार उपलब्ध कराते है।

पात्रताः– योजना के अनुसार वित्त के लिए केवल कृषि स्नातक या कृषि से सम्बन्धित विषयों में स्नातक जैसे बागवानी, पशुपालन, वानिकी, डेयरी, पशुचिकित्सा, मुर्गी पालन आदि में हों।

ऋण की राशिः– योजना के अनुसार मूल व्यक्ति (कृषि स्नातक) को दस लाख रूपये मिलते और पॉच सदस्यों के समूह को पचास लाख रूपये तक रू0 प्रदान किये जाते है।

2. **एग्रीक्लीनिक/एग्री बिजनेस क्या है:–** कृषि एंव पशुपालन के लिए विशेषज्ञ सेवायें उपलब्ध कराने और फसल बोने के उपायों पर किसानों को सलाह, प्रौद्योगिकी विस्तार, कीटों और बीमारियों से फसल की सुरक्षा, बाजार के रूझान एंव बाजार में विभिन्न फसलों की कीमतों और पशु स्वास्थ्य के लिए नैदान्तिक सेवाओं इत्यादि के लिए एग्रीक्लीनिक/एग्री बिजनेस की कल्पना की गयी जिससे फसलों/पशुओं की उत्पादकता बढ सके।
3. **एग्रीक्लीनिक/एग्री बिजनेस की स्थापना के लिए वित्त पोषण योजनाः–** एग्रीक्लीनिक/एग्रीबिजनेस के विकास के लिए केवल नीचे दिये मॉडल परियोजना की स्थापना के लिए वित्त पोषण योजना उपलब्ध है। मृदा, जल गुणवत्ता और इनपुट परीक्षण प्रयोगशाला सेवा केन्द्र, पौध सुरक्षा केन्द्र, वर्मी कम्पोन्टिग यूनिट, बागवानी क्लीनिक और व्यापार केन्द्र, एग्रो सर्विस सेन्टर खेती की मशीनों एंव कलपुर्जे, निजी पशु क्लीनिक, छोटी डेयरी के साथ निजी क्लीनिक, निजी कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र बीज उत्पादन के लिए इको–हैचरी और प्रसार सेवायें आदि के वित्त सुविधा प्रदान की जाती है।

Sandeep Kumar

Scanned with OKEN Scanner

Completive study of Plant Clinic 2023-24
(Insecticide)

S.N.	Chemical/Comman Name	Trade Name	Company Name	Packing Size	Cost/ Unit (Rs.)	Crop Name	Insecticide	Application time/dose
1.	356 Tricloro 2pyridinyl	Dermate	Yujo	250ml	320	Paddy, Wheat, Maize	Might	20EC Consentration 1 Lter Maxed in 1000 Ltr Water
2.	Thiamethoxam	Kaziro	Parjat	50ml	170	Cotton, Maize	Aphid, White fly, Shoot borrar	
3.	Phorate	Thimet	Bayer	250ml	500	Field Crop	White Grub and Stem Borer	
4.	Monocrotophose	Nuvaeron	Synzenta	500ML	500	Wheat, Bringil, Maize	Might	
5.	Dimethoate	Roger	Bayer	250ml	500	Field Crop	Stemborer	
6.	Alphamethrin	Alphguard	Ghard chemical limited Regd.	100 ml	120	Field Crop	White Grub and Stem Borer	20-25Ml/15Lter Water
7.	Gypermethrin	Cyperguard	Ghard chemical limited Regd.	100 ml	150	Field Crop	Weebil	25-30Ml/15Lter Water
8.	Trozophas + Deta methrin.	Shikari	Ghard chemical limited Regd.	100 ml	210	Bringil, Maize	Might	25Ml/15Lter Water
9.	Chlorpyriphas	Chloroguard	Ghard chemical limited Regd.	1 ltr	130	Wheat	Might	10-15Ml/15Lter Water
10.	Chlotopyriphas	Ecoguard	Ghard chemical limited Regd.	250 ml	650	Cotton, Maize	Termight	-
11.	Indoxacarb 14.5%+Acetamiprid 7.7%	Kite	Gharada chemicals Ltd Mumbai	100ml	710	Chhili	White Fly , Thrips	10-15ml/15 l water
12.	Propargitea.i 50 %	Dammu	Indofil Industries Ltd	100ml	325	Tomato, Okra	Mites	1100-1150ml / hae
13.	Diaferthiuror 25% SE	Gorella	Ghrada Chemical ltd Mumbai	100ml	371	Cereal Crops	White Fly, Cotton Jassid	25-30ml/ 15ltr water
14.	Diaferthiuror 47% SC	Tafak	Adama India Pvt.Ltd Hyderabad	250ml	1190	Potato, Sugarcane	Early Blight	25-30ml/ 15ltr water
15.	Emamectir, Berzoate 5% SL	Fuoco	Imfianto Crop Science Pvt. Ltd Banglore	100ml	680	Potato	Early Blight	25 / 15 ltr water

Scanned with OKEN Scanner

Compretive study of Plant Clinic 2023-24
(Fungicide)

S.N.	Chemical/Comman Name	Trade Name	Company Name	Packing Size	Cost/ Uunit (Rs.)	Crop Name	Fungicide	Application time/dose
1.	Pluopicolide + Propamocrale hydroclaride	Infinito	Bayer	100ml	270	Potato	Late Blight	Spray
2.	Azoxiystradin + Tebuconazale	Curtodia	Adoma	250ml	1200	Paddy, Potato	Dompingoff	-
3.	Carbandazim + Mancozeb	Macoban C	Adoma	100gm	103	Paddy, Groudnut, Graps	Tikka Disease Blast of Paddy	Seed treatment
4.	Metalaxyl 35%	Excel 35	Agri Agency Company	100Gm	200	Potato Crop	Late Blight	Spray
5.	Thiophanate Methyl 70% WP	Roko	Bayer	100gm	280	Potato, Radish	Damping Off. Root Rot	Seed treatment
6.	Mancozeb	Dithanm-45	Bayer	6gm	30	Pearmillat	Downymildew	2kg/hac.Das
7.	Phenylmercury Acetate+ Ethylmercuric Cloride	Agrosngn	Yajo	6gm	30	Sorghum	Downymildew	Seed treatment
8.	Coper Oxy Clroride	Blitox-50	Bayer	1.5kg	150	Musturd	Whitersut	1.5kg/hec
9.	Carboxin	Vitavax	Bayer	10gm	40	Wheat Crop	Loose smut	Seed treatment
10.	Oxycarboxin	Plant Vax	Yajo	1gm	50	Wheat Crop	Rust Disease	Seed treatment
11.	Aazoxytrobir 18.2% SC	Sacubati	Impiato Crop Science Pvt. Ltd	250ml	1350	Potato, Tomato	Early Blight, Potato	20 ml/15 l water
12.	Tebucanarzole 18.3% SC	Banson Pro	Impiato Crop Science Pvt. Ltd	500ml	270	Musturd	Dowry mildew	25ml / 15 l water
13.	Tebucanarzole 25.9% EC	Folicur	Insecticide India Ltd Rajasthan	500ml	300	Paddy	Used in Puddling time	25 -30ml / 15 l Water
14.	Carbndazim 12% +Mancozeb 63% WP	Sixer	Dhanuka Agritech Ltd Comp	250 g	196	Wheat and Maize	Fungi Disease	25 -30g / Tanki
15.	Azoxytrobin 23% SC	Lafard	ImplantoCrop Scienc Pvt Ltd	200ml	710	Potato Crop	-	25ml / 15 l litre Water

Sandeep Kumar

Scanned with OKEN Scanner

Compretive study of Plant Clinic 2023-24
(Herbicide)

S.N.	Chemical/ Comman Name	Trade Name	Company Name	Packing Size	Cost/ Uunit (Rs.)	Crop Name	Target Herbicide	Application time/dose
1.	2, 4 D	Weedar	Bayer	1.75Kg	300	Transplanted Rice	Broad Leaf Weed	Post Emergence (1Kg./Ha)
2.	Pendamethalin	Stomp	Bayer	1Kg.	600	Maize	Broad Leaf Weed	Pre Emergence (1Kg./Ha)
3.	Isoproturon	Ronak	Synzenta	1Ltr	500	Wheat	Grasses Phalaris Minor	Post Emergence (1Ltr./Ha)
4.	Atrazine	Atrataf	Bayer	0.5 to 0.75Kg.	600	Maize	Broad Leaf Weed	Pre Emergence (1Kg./Ha)
5.	Fluchlralin	Basalin	Bayer	1Kg.	600	Pulses	Grasses & some broad leaf Weed	Pre Plant incorporation
6.	Metribuzin	Sencoar	Bayer	1kg	500	Potato.	Weed	Post Emergence
7.	Glyphosat	Rundup	Bayer	1kg	550	Non Selective	Weed	Post Emergence
8.	Allaclor	Lasso	Bayer	1.5kg	500	Rice	Narrow leaf weed	Post Emergence
9.	Nitofen	Tok E-625	Synzenta	1kg	450	Ground Nut	Narrow leaf weed	Post Emergence
10.	Sulfosulfuron	Weeder	Parijat	0.75kg	500	Wheat	Narrow leaf weed	Post Emergence
11.	Pretilachlor 50% EC	Racker	Insecticide India Ltd Rajasthan	500ml	300	Paddy	Puddling Time	25-30 / 15 l Water
12.	Pretilachlor 50 % EC	Zinta	Heranba Industries Ltd	500ml	295	Rice, Wheat	Weed	25 ml / Tanki
13.	Glyphsate 45 % SL	Round up	Monsantos Agriculture Chemical	500 ml	210	All Weeds	-	8-10 litre / 200-250 litre Water
14.	Glyphoste 41% SL	No Weed	Bhaguka Agritech Ltd	1 Litre	901	Bathua	Used for Bathua in Wheat	100 ml / 15 litre Water
15.	Pendimethaline 30 % EC	Tata Purnida	Pallis India Ltd Mumbai	10 litre	875	Coriander	It is used in Coriander	25Ml/Tanki

Sandeep Kumar

Scanned with OKEN Scanner

Company Name: Vamsha Agro Industries Pvt. Ltd.
H.Q. : Uttam Nagar, New Delhi
Estabilishment: 02nd June, 2022
Director of company : Mrs. Arishee and Shri Shashank Bhardwaj
ISO Certified: 9001:2015

कम्पनी द्वारा उत्पादित उत्पाद

क्र.सं.	उत्पाद का नाम	किसके लिये उपयोगी	फसल	प्रयोग विधि
1.	सोनाइट किल	विभिन्न प्रकार की इल्ली के लिये	चना, गोभी, टमाटर, आलू	10–25ली0 प्रति 15 ली0 पानी
2.	सोना चिपिको	कीटनाशक, फफूँदनाशक, खरपतवार नाशक के लिये	कद्दू, टमाटर, खीरा	10–15 मिली0 प्रति पम्प
3.	सोना क्रॉप पावर	फल के आकार, चमक व गुणवत्ता के लिये	बैंगन, मिर्च, मटर	2–3मिली/ली0पानी
4.	सोना रूट किट	अंकुरण की जीवन शक्ति बढाता है	कपास, प्याज, सफेद मूसली	500ग्रम से 1किलो0/एकड
5.	सोना थीरमा	सफेद मक्खी, फगल इनफेक्शन, पत्ती सिकुडन, मिलीवग बीमारियों के रोकथाम	मक्का, दलहन, धान, बैंगन, चना, प्याज	1से 1. 5मिल/1लीटर पानी
6.	सोना क्रॉप बूस्टर	फलो का आकार बढाने के लिए	लहसुन, हल्दी, अदकर, बैंगन	20 मिली/पम्प
7.	सोना फ्लोरल	फूलों को झडने से रोकता है	दालें, लौकी, तोरई, आम, सोयाबीन	2–3मिली/लीटर पानी
8.	सोना ब्रहमशास्त्र	पीलापन व सूखने की बीमारी दूर करता है	तम्बाकू, चाय, कॉफी, अरहर, जीरा, धनियॉ	पानी में उपयोग करें
9.	सोना क्रॉप बूस्टर प्रोटीन बॉल	फलो का आकार बढाने और फलों और सब्जियों की भरपूर पैदावार के लिए	गन्ना, कपास,धान, सोयाबीन	1–2किलोग्रा0/एकड
10.	सोना फ्लोरल दानेदार	फूलों को झडने से रोकता है	कपास, सोयाबीन, भिण्डी, दालें	3–5किलो/एकड

Sandeep Kumar

Scanned with OKEN Scanner

21 दिवसीय वमसा एग्रो इण्डस्ट्रीज प्रशिक्षण का विवरण

क्रस.	दिनांक	कालेज/गॉव का नाम	सगन्वयक/ सम्पर्ककृषक का नाम	कार्य का विवरण
1	14.10.2022	जनता कालेज बकेवर	निर्देशक वमसा	कम्पनी के वारे में जानकारी प्रदान करना
2	21.11.2022	जनता कालेज बकेवर	निर्देशक वमसा	आई0डी0 कार्ड का वितरण व गॉव का आंवटन
3.	03.02.2023	जयमलपुर	श्री वृजेश कुमार	मिर्च, अरवी मक्का की फसल जानकारी प्राप्त की।
4.	04.02.2023	मनियॉमऊ	श्री रमाशंकर	खीरा, मूॅग,प्याज की फसल की जानकारी प्राप्त की।
5.	06.02.2023	विजौली	श्री राकेश सिंह	मक्का, लहसुन, आदि फसल की जानकारी प्राप्त की।
6.	07.02.2023	उसराहार	श्री अभय सिंह	वर्मी कम्पोस्ट, FYM की जानकारी प्राप्त की।
7.	08.02.2023	गुलावपुरा	श्री दयाशंकर	वर्मी कम्पोस्ट, खाद की जानकारी प्राप्त की।
8.	09.02.2023	इकदिल	श्री रमेश चन्द्र	बन्दगोभी, गन्ना, आदि फसल की जानकारी प्राप्त की।
9.	11.02.2023	विरारी	श्री अजय सिंह	मक्का में फर्टिगेशन सिंचाई की जानकारी प्राप्त की।
10.	11.02.2023	कीरतपुर	श्री अखिलेश कुमार	उर्द की फसल की जानकारी प्राप्त की।
11	13.02.2023	शंकरपुर	श्री दिलीप सिंह	केला में लगने वाली बीमारियों तथा उत्पादन के वारे में जानकारी प्राप्त की।
12	14.02.2023	वसरेहर	श्री सौरव सिंह	मल्चिंग प्रयोग विधि की जानकारी प्राप्त की।
13.	15.02.2023	मोहब्बतपुर, नगला भगत	श्री आदेश कुमार	तोरई, लौकी, की फसल की जानकारी प्राप्त की।
14	16.02.2023	वरालोकपुर	श्री खुशी लाल	करेला में लगने वाले कीट व उत्पादन की जानकारी प्राप्त की।
15.	17.02.2023	चकरनगर	श्री दीपक सिंह	खीरा, ककडी में फसल उत्पादन की जानकारी प्राप्त की।
16	20.02.2023	पछांयगॉव	श्री वलराम सिंह	कुकरविटेसी, में उत्पादन की जानकारी की।
17.	21.02.2023	हर्राजपुरा	श्री यजुर्वेद कुमार	ग्रीनहाउस में कुकरविटेसी फसल उत्पादन की जानकारी की।
18.	22.02.2023	कुशगवां वादशपुर	सुधीर कुमार	खेत में आलू और भिण्डी लगाने की विधि की जानकारी प्राप्त की।
19.	23.02.2023	जसवन्तनगर	मिलन कुमार	ग्रीन हाउस में अधिक से अधिक उत्पादन प्राप्त करने की विधि का तरीका सीखा।
20.	24.02.2023	सुनवर्षा	सचिन कुमार	मक्का में उत्पादन में वृद्धि बढाने के लिये जानकारी प्राप्त की।
21.	25.02.2023	मोढी, भर्थना	आकाश वर्मा	मूॅगफली में रोग व कीट की जानकारी प्राप्त की।

Sandeep Kumar

Scanned with OKEN Scanner

बमसा कम्पनी द्वारा एग्रो इन्डस्ट्री द्वारा आवंटित ग्राम इकदिल, इटावा में किसानों के साथ

मैने और मेरे साथियों को रावे कार्यक्रम के अर्न्तगत वारे में जानकारी प्राप्त करने के लिये बिरारी ग्राम में भेजा गया और ग्राम इकदिल, इटावा जिले विकास खण्ड भर्थना के अन्तर्गत आता है। ग्राम में जाकर किसानों से मिला और किसानों ने ग्रामीण कृषि क्रियाओं के बारे में बताया कि गॉव में अधिकांशः मक्के, ज्वार, गन्ना, आलू, उर्द व मूंग की खेती की जाती है। किसानों द्वारा बताया गया कि उन्हें खेती करने की वैज्ञानिक जानकारी न होने के कारण वह पुराने ढंग से खेती करते है। जिससे आवश्यकता के अनुरूप फसल का उत्पादन सही ढंग से नहीं हो पाता है। जिस कारण से हम समस्त किसानों को अच्छा उत्पादन नहीं मिल पाता है।

कृषक का नाम– श्री शशांक भारद्वाज जी निदेशक, बमसा के साथ हरिहर बीज भण्डार पर विभिन्न कम्पनियां की खाद तथा कीट नाशकों की जानकारी लेते हुये

Scanned with OKEN Scanner

मैने और मेरे साथियों द्वारा रावे कार्यक्रम के अन्तर्गत इकदिल ग्राम का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान ग्राम के किसानों से मिलकर कृषि के सम्बन्ध में बात–चीत की। किसानों द्वारा बताया गया कि इस समय मक्का की फसल में सूडी का प्रकोप बहुत अधिक बढ रहा है। मैं और मेरे साथियों ने किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती करने के लिये किसानों को प्रेरित किया और बताया कि मक्का की फसल को हमेशा ऐसे खेत में बोये जहॉ पर जिल निकास की समस्या न हो। क्योकि मक्का की फसल में पानी भरा रहने के कारण फसल नष्ट हो सकती है। जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। जो किसानों को यह बात पसन्द आई और कहा कि हम सब लोग आप की बातों से बहुत अधिक उत्साहित हुये और मै वैज्ञानिक तरीके से खेती करूँगा।

Kumar

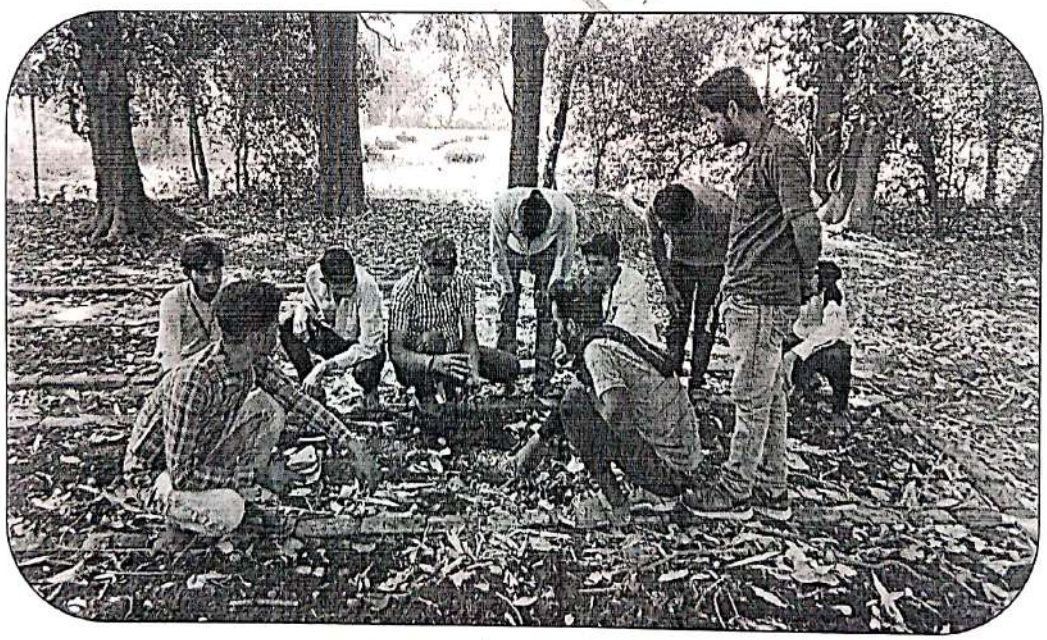

कृषक का नाम– श्री सर्वेश कुमार के साथ वर्मी कम्पोस्ट खाद बनाने की विधि को समझते हुये।

Scanned with OKEN Scanner

मैने और मेरे साथियों द्वारा रावे प्रोग्राम के अन्तर्गत बिजौजी व मनियांमऊ ग्राम का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान ग्राम के किसानों से मिलकर कृषि के सम्बन्ध में बात–चीत की। किसानों द्वारा बताया गया कि पिछले वर्ष आलू में अगेती व पछेती झुलसा व अन्य रोगों का प्रकोप अधिक हो जाने के कारण आलू के फसल का उत्पादन अच्छा नहीं हुआ जिससे उत्पादन भी कम रहा।

श्री राज बहादुर सिंह, श्री रमेश चन्द्र, श्री विजय मोहन सिंह व श्री गणेश शंकर प्रगतिशील किसानों से मैने व मेरे साथियों ने चर्चा की फसल का उत्पादन बढानें हेतु उन्हें वैज्ञानिक तरीके से खेती करने हेतु प्रोत्साहित किया तथा फसल का उत्पादन अच्छा पाने हेतु सर्व प्रथम खेत की तैयारी से लेकर बुबाई, निराई–गुडाई, उर्वरक, रासायनिक दवाओं का प्रयोग करने का सही तरीका, फसल की कटाई, मढाई व ओसाई एवं पैकिंग तक का पूरी जानकारी दी जिससे किसानों की आय में बढोत्तरी हो सकें।

मक्का की फसल का निरीक्षण करते हुये

फसल का नाम–मक्का

कृषक का नाम– श्री महेन्द्र प्रताप सिंह के साथ फसल का निरीक्षण करते हुए

Scanned with OKEN Scanner

ग्राम के कुछ किसानों से बातचीत करने पर हमें कई सारी जानकारियॉ भी प्राप्त हुई, किसानों ने बताया कि हमारे यहॉ अधिकतर मोटे अनाज की खेती की जा रही है, लेकिन खेती के बारे में वैज्ञानिक तरीके की जानकारी न होने के कारण हम लोग उतनी अच्छी फसल का उत्पादन नहीं कर पाते है, जितनी चाहिए। मेरे साथियों के द्वारा किसानों को बताया गया कि एक खेत में एक ही फसल को बार–बार नहीं बोना चाहिए, क्योंकि इससे मृदा की भौतिक दशा खराब हो जाती है। और किसानों को यह भी बताया गया कि रासायानिक उर्वरकों का प्रयोग कम से कम किया जाये रासायानिक उर्वरकों के स्थान पर कार्बनिक खाद जैसे–गोबर, खली, कम्पोस्ट खाद का प्रयोग किया जाये, जिससे मृदा संरचना में सुधार हो सके।

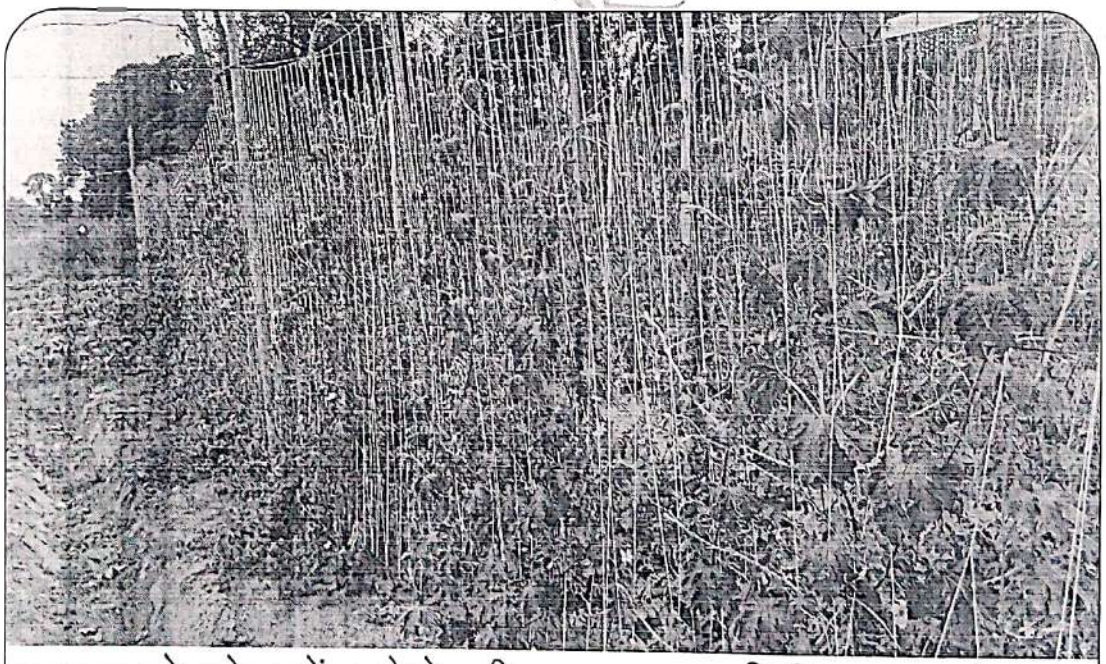

कृषक के खेत में करेले की फसल का निरीक्षण करते हुये

कृषक का नाम– श्री सुरेश चन्द्र

Scanned with OKEN Scanner